साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 234 | जौनपुर, मंगलवार, 21 मई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ में शाम पांच बजे तक 49.88 फीसदी मतदान

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में वोटिंग जारी है। सुबह सात बजे से पहले ही मतदान केंद्रों के बाहर लंबी कतारें लग गई थीं। हर उम्र के लोग उन कतारों में लगे नजर आए। बसपा सुप्रीमों मायावती ने लखनऊ में वोट डाला। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए स्कॉलर्स होम स्कूल में वोट डाला। उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि सभी अपना वोट डालें। एनडीए 400 सीटें लेकर आएगा। लखनऊ में शाम पांच बजे तक 49.88 प्रतिशत व मोहनलालगंज में 60.10 प्रतिशत मतदान हुआ। देशभर में अपनी कला–संस्कृति, साहित्य और तहजीब के लिए मशहूर लखनऊ 1962 से मतदान प्रतिशत का रिकॉर्ड नहीं तोड़ सका है। उस वर्ष 58.49 प्रतिशत वोट पड़े थे। साल 1991 में मतदान प्रतिशत 33.23 ही रहा। अचानक से मत प्रतिशत में गिरावट हुई तो राजनेता भी चकित रह गए। तब पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने पहले मतदान, फिर जलपान का नारा दिया और घर–घर जाकर वोट प्रतिशत बढ़ाने की अपील की। समय के साथ लखनऊ में बहुत बदलाव आए। मतदान प्रतिशत में उतार–चढ़ाव रहा, लेकिन अब भी यहां के मतदाता 60 प्रतिशत का आंकड़ा नहीं छू सके हैं। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में 53.06 प्रतिशत ही वोटिंग हुई। साल 2019 के चुनाव में मत प्रतिशत बढ़कर 57.68 पहुंचा, लेकिन 1962 के रिकॉर्ड को नहीं तोड़ पाया।

फैजाबाद लोकसभा सीट पर 59.10 प्रतिशत हुआ मतदान

अयोध्या, संवाददाता। फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र में 59.10 फीसदी मतदान हुआ। इस दौरान सभी बूथों पर सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए थे। सुबह सात बजे से ही कई मतदान केंद्रों पर वोटर लाइन में लग गए। युवाओं के साथ बुजुर्गों और महिला मतदाताओं में भी मताधिकार के प्रयोग के प्रति उत्साह देखा गया। कुछ मतदान केंद्रों में वोटरों की कतार छोटी रही। कमिश्नर गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार और डीएम नीतीश कुमार ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में मतदान किया। इसी तरह भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह, अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार अवधेश प्रसाद ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया। किसी भी मतदान केंद्र पर वोटर को मोबाइल के साथ प्रवेश नहीं करने दिया गया। इसके चलते उन्हें दिक्कत आई। तो उन्हें बाहर मोबाइल देकर भीतर जाकर वोट डालने की अनुमति मिली। कई मतदान केंद्रों के बाहर सेल्फी प्वाइंट बनाए गए थे। वोट डालने के बाद मतदाताओं ने यहां पर सेल्फी ली।

रामलला ने तीसरी बार अपने भक्त (पीएम मोदी) को सत्ता सौंपने का फैसला किया - सीएम मोदी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि इंडिया गठबंधन एक चेतावनी संकेत है और पुष्टि करता है कि सत्तारूढ़ दल मुगल सम्राट औरंगजेब की आत्मा को जीवित नहीं होने देगा। जौनपुर लोकसभा क्षेत्र से मैदान में उतरे भाजपा उम्मीदवार कृपाशंकर सिंह के समर्थन में जौनपुर के शाहगंज के पट्टी नरेंद्रपुर में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा, "रामलला ने तीसरी बार अपने भक्त (पीएम मोदी) को सत्ता सौंपने का

फैसला किया है। आदित्यनाथ ने कहा कि इस चुनाव में दो धाराएं स्पष्ट हो चुकी हैं, एक रामभक्तों, राष्ट्र भक्तों, विकास की है तो दूसरी राम द्रोहियों, भारत विरोधियों, गरीब कल्याण विरोधियों की है जो आतंकवाद को पनपने देते हैं और देश के साथ गद्दारी करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, "जब भी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) का गठबंधन होता है, जब भी दो लड़कों की जोड़ी मिलती है तो कोई न कोई अनर्थ करने के लिए मिलती है।" नेशनल इंटरमीडिएट कॉलेज पट्टी नरेंद्रपुर में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा विधायक और सांसद जिले में जरूरी विकास लाएंगे और दुनिया जौनपुर आएगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी सरकार राज्य से माफिया का खात्मा करके रहेगी। यूपी के सीएम ने पिछड़ों, अनुसूचित जातियों और जनजातियों के आरक्षण अधिकारों की रक्षा करने की कसम खाई। साथ ही उन्होंने चल रहे विकासात्मक पहलों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने वाराणसी में अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल के उद्घाटन सहित यूपी सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

इंडी गठबंधन के बिखरने का काउंट डाउन शुरू हो चुका – पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा टीएमसी से बंगाल के लोगों को और बंगाल की पहचान को भी खतरा है। बंगाल में दंगे आम बात हो गई है। आदिवासी भाई बहनों की पहचान खत्म करने के प्रयास हो रहे हैं लेकिन टीएमसी को अपने वोट बैंक की चिंता है।

ये लोग घुसपैठियों को बुला बुलाकर बसा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हार सामने देख टीएमसी का आक्रोश चरम पर है। कल तक टीएमसी कांग्रेस को गाली दे रही थी और आज कह रहे हैं कि हम इंडी गठबंधन का हिस्सा हैं। लेकिन बंगाल के लोग जानते हैं कि कांग्रेस डूब चुका जहाज है। एक ओर केंद्र में मोदी की रिपोर्ट कार्ड सरकार है, दूसरी ओर बंगाल में टीएमसी की रेट कार्ड सरकार है। टीएमसी ने

बंगाल में हर नौकरी का रेट कार्ड लगा रखा है। पैसा दो... नौकरी लो! कांग्रेस के शहजादे का एक वीडियो देखा है। 11–12 साल पुराने इस वीडियो में कांग्रेस के शहजादे खुलेआम कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी मुसलमानों को आरक्षण देगी। यही कांग्रेस की सच्चाई है, जिसे कांग्रेस और उसके इकोसिस्टम ने बरसों तक देशवासियों के सामने नहीं आने दिया।

संसद में जम्मू–कश्मीर के अधिकारों के लिए लड़ने का मौका चाहता हूं – अब्दुला

जम्मू–कश्मीर, एजेंसी। बारामूला में लोकसभा चुनाव के तहत मतदान से एक दिन पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार उमर अब्दुल्ला ने रविवार को लोगों से कहा कि वह संसद में मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करने और खासकर अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू–कश्मीर के खिलाफ किए गए अन्याय का जवाब मांगने का मौका चाहते हैं। एक वीडियो संदेश में लोगों से कहा कि वे अपनी पसंद का सांसद चुनें, न कि दिल्ली और एजेंसियों की पसंद का। वह केंद्र शासित प्रदेश के लोगों की भावनाओं के बारे में संसद में बोलेंगे और उनके अधिकारों के लिए लड़ेंगे।

नफरत और तानाशाही के लिए नहीं, भाईचारे व लोकतंत्र के लिए वोट डालना है – खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण का मतदान शुरू होने के बाद सोमवार को लोगों से नफरत और तानाशाही के लिए नहीं, बल्कि भाईचारे और लोकतंत्र के लिए मतदान करने का आह्वान किया। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "मेरे प्रिय देशवासियों, लोकतंत्र और संविधान को सुरक्षित रखना है तो मतदान जरूर करना है।" उन्होंने लोगों से आह्वान किया, "ईवीएम पर बटन दबाने से पहले याद करें कि हमें प्रेम और भाईचारे के लिए वोट डालना है, नफरत के लिए नहीं। बेरोजगारी व महंगाई के खिलाफ वोट डालना है, चंद पूंजीपतियों को और अमीर बनाने के लिए नहीं। अपने मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए वोट डालना है, अधिकारों को छीनने वालों के लिए नहीं। न्याय के लिए वोट डालना है, अन्याय व अत्याचार के लिए नहीं। लोकतंत्र के लिए वोट डालना है, तानाशाही के लिए नहीं।

खरगे ने कहा, "49 लोकसभा सीटों पर आज जिन आठ राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मतदाता अपने वोट के अधिकार उपयोग करेंगे वो युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय के एजेंडे पर वोट करेंगे।" उन्होंने कहा, "आपके हाथ से जब ईवीएम का बटन दबेगा, तानाशाही की डोलती कुर्सी को एक और धक्का लगेगा और लोकतंत्र को शक्ति मिलेगी। पहली बार वोट करने वाले मेरे युवा साथियों का बहुत–बहुत स्वागत है। इसमें उनकी ऐतिहासिक जिम्मेदारी है।" कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, "चार चरणों के मतदान के रुझान यही कहते हैं कि हुकुमशाह की विदाई पक्की है।

अमित शाह ने लोगों से विकसित भारत के लिए वोट करने की अपील किया

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर और लद्दाख सहित 5वें चरण के तहत मतदान वाली

सीटों के सभी मतदाताओं से उज्ज्वल भविष्य, भारत की एकता एवं अखंडता और विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने के लिए ऐतिहासिक मतदान करने की अपील की है। उन्होंने ओडिशा के मतदाताओं से भी लोकसभा चुनाव के साथ–साथ विधानसभा चुनाव के लिए भी बढ़–चढ़कर वोट करने की अपील की। अमित शाह ने सोमवार को हिंदी, अंग्रेजी और विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में मतदाताओं से वोट करने की अपील करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, ष्लोकसभा चुनाव के 5वें चरण के मतदाता बहनों व भाइयों, आज एक ऐसी सरकार चुनने के लिए ऐतिहासिक मतदान करें, जो सभी वर्गों का कल्याण, सीमा की सुरक्षा, विरासतों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध हो। एक ऐसी व्यवस्था चुनने के लिये मतदान करें, जिसके पास दूरदर्शी नेतृत्व, कार्य करने का ट्रैक रिकॉर्ड और देश का भविष्य सँवारने का विजन हो।

विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने के लिए मतदान अवश्य करें। शाह ने जम्मू कश्मीर के मतदाताओं से भी अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने का आग्रह करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा, आज जम्मू– कश्मीर के बारामुला के मतदाता लोकतंत्र के उत्सव में मतदान करने जा रहे हैं। मैं यहां के निवासियों से यह अपील करता हूं।

देश में बदलाव की लहर, मोदी सरकार के पास अब गिने–चुने दिन – सचिन

राजस्थान, एजेंसी। बकांग्रेस नेता सचिन पायलट ने रविवार को दावा किया कि देशभर में बदलाव की लहर है और नरेन्द्र मोदी सरकार के अब गिने–चुने दिन रह गए हैं।

हरियाणा में लोकसभा चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारों के खातिर प्रचार करते हुए उन्होंने दावा किया कि देश में पहले चार चरण के मतदान के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि 'इंडिया' और कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कहीं आगे हैं। पूरे देश में बदलाव की लहर है और भाजपा के दिन अब गिनती के रह गए हैं।

मतदान कर विकसित भारत के निर्माण में निभाएं अपनी भूमिका, जेपी नड्डा की अपील

नई दिल्ली, एजेसी। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पांचवे चरण के तहत मतदान वाली सीटों के मतदाताओं खासकर युवा मतदाताओं से विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए मताधिकार का प्रयोग अवश्य करने की अपील की है। जेपी नड्डा ने एक्स पर हिंदी, अंग्रेजी और विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं में मतदाताओं से वोट करने की अपील करते हुए पोस्ट कर कहा, आज पांचवें चरण के लिए मतदान कर रहे समस्त मतदाताओं विशेषकर युवा साथियों से अत्यधिक संख्या में मताधिकार का प्रयोग कर विकसित भारत निर्माण में अपनी भूमिका निभाने की अपील करता हूं। नड्डा ने आगे कहा, आपका प्रत्येक वोट युवा, महिला, गरीब व किसान को सशक्त करने के साथ उनकी उन्नति व समृद्धि के नए द्वार खोलेगा। मां भारती के भाग्य व भविष्य को आकार देगा। याद रखें, श्पहले मतदान, फिर जलपान। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के तहत बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, जम्मू कश्मीर और लद्दाख सहित देश के 8 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 49 लोकसभा सीटों पर मतदान शुरू हो चुका है। इसके साथ ही ओडिशा में विधानसभा चुनाव के तहत राज्य की 35 विधानसभा सीटों पर भी वोट डाले जा रहे हैं। आपको बता दें कि पांचवें चरण के तहत लोकसभा की जिन सीटों पर चुनाव हो रहा है उन पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल एवं स्मृति ईरानी सहित कई अन्य महत्वपूर्ण एवं दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है।

मतदान के दिन राहुल गांधी ने हनुमान मंदिर में की पूजा, मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

रायबरेली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी रायबरेली पहुंचे हैं जहां से वह चुनाव लड़ रहे हैं और पीपलेश्वर हनुमान मंदिर में पूजा–अर्चना की। गांधी केरल के वायनाड से भी चुनाव लड़ रहे हैं जहां से वह मौजूदा सांसद हैं। इससे पहले दिन में, पूर्व कांग्रेस प्रमुख राष्ट्रीय राजधानी से लखनऊ हवाई अड्डे पर पहुंचे। वह सड़क मार्ग से रायबरेली पहुंचे। रायबरेली में अपना प्रतिनिधि चुनने के लिए मतदान हो रहा है। राहुल गांधी ने कुछ मतदान केंद्रों का निरीक्षण भी किया और वोट डाल चुके लोगों से मुलाकात की। राहुल गांधी रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं, जहां इस साल राज्यसभा का रास्ता अपनाने से पहले उनकी मां सोनिया गांधी पांच बार सांसद थीं। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के पांचवें दौर में 13 लोकसभा सीटों के लिए आज मतदान जारी है। इनमें

मोहनलाल गंज, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा, हतेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज और गोंडा शामिल हैं। वह केरल के वायनाड से भी दोबारा चुनाव लड़ रहे हैं। यह असामान्य नहीं है क्योंकि उम्मीदवार आमतौर पर आखिरी बार अपने मतदाताओं से मिलने जाते हैं और मतदान केंद्रों का चक्कर भी लगाते हैं, लेकिन राहुल गांधी का दौरा दिलचस्प है क्योंकि पिछली बार जब वे अमेठी से हार गए तो उन्होंने मतदान के दिन न आने की गलती की थी। इसके ठीक विपरीत केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी थीं, जो कोई भी कसर न छोड़ने के लिए सभी बूथों का चक्कर लगा रही थीं। इस बार, चूंकि गांधी परिवार प्रतिष्ठा की लड़ाई लड़ रहा है, राहुल गांधी अपनी गलती नहीं दोहरा रहे हैं।

राहुल गांधी का मुकाबला दिनेश सिंह से होगा, जो 2019 में अमेठी में सोनिया गांधी से मामूली अंतर से हार गए थे, यह स्मृति ईरानी बनाम गांधी परिवार के करीबी सहयोगी केएल शर्मा से होगा। जहां गांधी परिवार को जीत का भरोसा है, वहीं ईरानी का कहना है कि उनका काम उन्हें आगे बढ़ाएगा। दिलचस्प बात यह है कि ईरानी अमेठी में मतदान करेंगी क्योंकि वह अब यहां मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं।

मंडी के लिए पारिस्थितिकी–पर्यटन को बढ़ावा देना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता – विक्रमादित्य सिंह

शिमला, एजेसी। हिमाचल प्रदेश के मंडी संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह ने रविवार को कहा कि अगर वह सांसद चुने जाते हैं तो क्षेत्र में पारिस्थितिकी–पर्यटन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। सिंह ने मनाली में एक सार्वजनिक बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि गर्मियों के बाद कुल्लू जिले में पर्यटकों की आमद में गिरावट देखी गई है। प्रदेश कैबिनेट के सदस्य सिंह ने कहा, "इसलिए पूरे वर्ष पर्यटकों की संख्या बनाए रखने के लिए क्षेत्र में पारिस्थितिकी–पर्यटन को बढ़ावा देने के वास्ते एक योजना विकसित की गई है।" कांग्रेस ने सिंह को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार एवं अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा है। सिंह ने रनौत पर निशाना साधते हुए कहा, मैं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर से अनुरोध करता हूं कि वह उन्हें (रनौत को) पढ़ाएं, ताकि वह जान सकें कि केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने मंडी में क्या काम किया है। रनौत ने अपनी एक चुनावी रैली में पूछा था कि संसद में कई बार इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के बावजूद सिंह के परिवार ने मंडी के लिए क्या किया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि कुल्लू और मनाली में 24 घंटे पेयजल आपूर्ति की योजना, मंडी में आईआईटी की स्थापना और नेरचौक में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कांग्रेस शासन के दौरान किया गया था। शिमला (ग्रामीण) विधानसभा क्षेत्र से दो बार के विधायक विक्रमादित्य सिंह, बुशहर की पूर्ववर्ती रियासत के राजा हैं।

लोकतंत्र और संविधान को सुरक्षित रखना है तो मतदान जरूर करना – खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पांचवें चरण के मतदान के बीच लोगों से

वोट देने की अपील की है। खड़गे ने मतदाताओं से कहा कि लोकतंत्र और संविधान को सुरक्षित रखना है तो मतदान जरूर करना है। सोशल मीडिया के जरिए अपनी बात रखते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ईवीएम पर बटन दबाने से पहले याद करें कि हमें प्रेम और भाईचारे के लिए वोट डालना है, नफरत के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बेरोजगारी व महंगाई के खिलाफ वोट डालना है। अपने मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए वोट डालना है, अधिकारों को छीनने वालों के लिए नहीं। वोट डालने की अपील करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि न्याय के लिए वोट डालना है, अन्याय व अत्याचार के लिए नहीं। लोकतंत्र के लिए वोट डालना है, तानाशाही के लिए नहीं। 49 लोकसभा सीटों पर जो 8 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के मतदाता अपने वोट के अधिकार का उपयोग करेंगे वो युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय और हिस्सेदारी न्याय के एजेंडे पर वोट करेंगे। आपके हाथ से जब ईवीएम का बटन दबेगा, तानाशाही की डोलती कुर्सी को एक और धक्का लगेगा और लोकतंत्र को शक्ति मिलेगी।

केजरीवाल की मुश्किलों के और बढ़ाने की तैयारी में ईडी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में याचिका दायर कर दिल्ली शराब उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की मांग की। ईडी ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत बढ़ाने के लिए आवेदन किया है। केजरीवाल फिलहाल अंतरिम जमानत पर हैं और उन्हें 2 जून को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया है। अदालत ने आवेदन को लंबित रखा है, जिस पर 2 जून को सुनवाई होने की संभावना है। केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने दिल्ली की अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति में एजेंसी की मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। केजरीवाल को 10 मई को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी थी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि केजरीवाल दौरा नहीं करेंगे। उन्हें आम चुनाव के आखिरी चरण के मतदान के एक दिन बाद 2 जून को आत्मसमर्पण करना होगा और वापस जेल जाना होगा। चार्जशीट में केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को आबकारी नीति जांच में आरोपी बनाया है। विस्तृत आरोप पत्र दायर किया गया है। केजरीवाल मुख्य साजिशकर्ता हैं जिन्होंने दिल्ली के सीएम के रूप में अपने पद का इस्तेमाल कंपनी यानी आप द्वारा पीएमएलए की धारा 4 के तहत दंडनीय मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध को सुविधाजनक बनाने के लिए किया।

संपादकीय

फिजूल की अटकलें

पांचवें चरण के तहत सोमवार को आठ राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों की 49 लोकसभा सीटों पर वोट डाले गये, इसके बाद दो ही चरण की वोटिंग शेष रह जाएगी। शेष रहे दो चरणों के चुनाव पर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं और जैसे–जैसे चुनाव सम्पन्नता की ओर बढ़ रहे हैं, राजनीतिक दलों की आक्रामकता अब चुनाव परिणामों को लेकर फिजूल की अटकलों के रूप में देखने को मिल रही है। वैसे तो तीन चरणों के बाद ही चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलें पर सारे चुनावी परिदृश्य बन रहे हैं। आम मतदाता की जरूरतों से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस करने की बजाय चुनाव नतीजों की भविष्यवाणियों में चुनाव परिदृश्यों को भटकाने की कुचेष्ठाएं हो रही है, यह लोकतंत्र के इस महानुष्ठान को धुंधलाने का दूषित प्रयास है। चुनाव परिणामों को लेकर हो रही इन चर्चाओं से जहां आम मतदाता भ्रमित हो रहा है, वही देश के शेयर बाजारों में गिरावट की स्थितियां आर्थिक असंतुलन का कारण बन रही है। राजनीतिक दलों की सोची–समझी रणनीति के तहत चुनाव परिणामों की संभावनाएं व्यक्त करना, अटकले एवं कयास लगाना चुनावी परिदृश्यों को भटकाने की कोशिशें हैं, इसमें राजनीतिक विश्लेषण और उनके निष्कर्ष भी कहीं–न–कहीं ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जिससे मतदाता को लुभाया जा सके, भटकाया जा सके या गुमराह किया जा सके। कांग्रेस हो या भाजपा और अन्य दल सभी चुनाव परिणाम की अटकलों पर ध्यान लगाये हुए हैं, वे ऐसी अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं करते हुए जीत के दावे कर रहे हैं, जिससे मतदाता द्वंद्व की स्थिति में हैं। राजनीतिक दलों ने राष्ट्र के जरूरी एवं बुनियादी मुद्दें को तवज्जों न देकर राजनीतिक अपरिपक्वता का ही परिचय दिया है। दिक्कत यह है कि सभी पार्टियां अपने दल या गठबंधन की जीत को सुनिश्चित बताते हुए इस तरह के विश्लेषण और निष्कर्ष निकाल रहे हैं जो सत्यता से दूर हैं। ऐसे निष्कर्ष अतीत में कई बार गलत साबित हो चुके हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा को ऐसी जीत मिली, जिससे देश में तीन दशक बाद किसी पार्टी ने अपने बहुमत वाली सरकार बनाई। 2019 में पार्टी ने उससे भी बड़ी जीत हासिल की। लेकिन 2019 में भी चुनाव नतीजों से पहले शेयर बाजार लड़खड़ाते नजर आ रहे थे एवं विपक्षी दल भाजपा के हार की भविष्यवाणी कर रहे थे। 2014 में भी कई विश्लेषक उत्तरप्रदेश की कई सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं के कथित ध्रूवीकरण का हवाला देते हुए खास तरह के चुनाव नतीजों की भविष्यवाणी कर रहे थे, जो गलत साबित हुए। ऐसी ही भविष्यवाणियां इस बार भी बढ़–चढ़ कर हो रही है, लेकिन इस बार के चुनाव परिणाम अप्रत्याशित होने वाले हैं, चौंकाने एवं चमत्कृत करने वाले होंगे। निश्चित ही चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलों का शेष रहे दो चुनाव चरणों पर व्यापक प्रभाव पड़ता हैं। पहले तीन चरणों के कम मतदान को सत्तापक्ष के समर्थक मतदाताओं के उत्साह में कमी का संकेत बताया जा रहा है तो महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों में एनडीए के सहयोगी दलों की वोट ट्रांसफर करने की क्षमता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। जहां तक वोटरों के उत्साह में कमी की बात है तो अव्वल तो चुनाव आयोग के अंतिम आंकड़ों के मुताबिक वोट प्रतिशत का अंतर काफी कम रह गया है, दूसरी बात यह कि वोट न देने वालों में किस पक्ष के समर्थक ज्यादा हैं, इसे लेकर परस्पर विरोधी दावे किए जा रहे हैं जिनकी सचाई 4 जून को ही सामने आएगी। लेकिन चुनाव परिणामों को लेकर विरोधाभासी अटकलों का असर मतदाता पर पड़ता ही है। समूचे देश की बात करें तो इस पर लगभग आम राय है कि इन चुनावों में कोई लहर नहीं है। कई चुनाव विशेषज्ञों के अनुसार 2019 के चुनाव में पुलवामा में हुई घटनाओं और उसके बाद बालाकोट में जो हुआ उसके बाद देश भर में राष्ट्रीय सुरक्षा की लहर दौड़ गई थी। इस बार सोचा गया था कि श्रीराम मन्दिर के उद्घाटन का व्यापक असर होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विकास का मुद्दा अवश्य मतदाता के दिमाग में रहा है। फिर भी अगर किसी एक नेता के पक्ष में मतदाताओं की पसंद मुखरता से सामने आ रही है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। सवाल है कि क्या यह मुखरता वोट में भी परिणत होगी? जवाब के लिए 4 जून का इंतजार करना बेहतर होगा। अनेक चुनाव विश्लेषण बताते हैं कि 1999 और 2004 में कम मतदान प्रतिशत से भाजपा को फायदा हुआ, लेकिन 2014 में अधिक मतदान से लाभ हुआ। लेकिन विश्लेषक मतदान प्रतिशत और अंतिम परिणामों के बीच स्पष्ट संबंध बताने में विफल हैं। बाजार के इस उतार चढ़ाव के बीच निवेशक लोकसभा चुनाव में कुछ चरणों के कम मतदान प्रतिशत को लेकर चिंतित हैं। वे चुनाव परिणाम के बारे में अनिश्चितता पाले हुए हैं। निवेशक ही नहीं, मतदाता एवं नेता भी भ्रम एवं भटकाव पाले हुए है। लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में भाजपा विरोधी 'इंडिया' गठबंधन के सत्ता में आने पर तृणमूल कांग्रेस नई सरकार के गठन में 'बाहर से समर्थन' देगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इस टिप्पणी के बाद से ही राजनीतिक हलकों में कयासों और अटकलों का दौर तेज हो गया था। सवाल उठ रहा था कि क्या उनकी इस टिप्पणी में कोई नया संकेत छिपा है? पांचवें चरण की सम्पन्नता के बाद यह साफ हो गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर इस बार सत्तारूढ़ भाजपा की कांग्रेस समाहित विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के साथ कांटे की लड़ाई हैं और दोनों ही पक्ष अपनी–अपनी विजय का दावा कर रहे हैं। कम मतदान की पहेली का एक मतलब ये भी निकाला जा सकता है।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना

संजय

वित्त मंत्रालय ने कहा है कि भारत का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में

पांच ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य आश्चर्यचकित करता है कि क्या सरकार इस आर्थिक दृष्टिकोण की स्थिरता और समावेशिता के बारे में सोच रही है। अध्ययनों से बार–बार पता चला है कि महिलाओं के सशक्तीकरण से पूरे देश की उत्पादकता में वृद्धि होती है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत में लिंग अंतर को कम करने से इसकी जीडीपी में 27: की बढ़ोतरी हो सकती है। 1990 के दशक से, भारत में महिला श्रम शक्ति की भागीदारी ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 30% और शहरी क्षेत्रों में लगभग 15: पर स्थिर बनी हुई है। भारत के विकास के प्रति इस सरकार का दृष्टिकोण उस भूमिका को नजरअंदाज करता है जो महिला उद्यमी नवाचार को बढ़ावा देने, नौकरियां पैदा करने और सकल घरेलू उत्पाद में योगदान देने में निभा सकती हैं। भारतीय कार्यबल में महिलाओं के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों का समाधान करने में लगातार विफलता से न केवल लैंगिक असमानता बढ़ती है, बल्कि वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की देश की प्रगति भी पटरी से उतरने का खतरा है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की सफलता में प्राथमिक, यदि प्रमुख नहीं तो, बाधा गहराई से स्थापित सामाजिक और सांस्कृतिक मानदंड हैं जो एक महिला की गतिशीलता और निर्णय लेने की शक्तियों को प्रतिबंधित करते हैं। उन्हें कैसे काम करना चाहिए और सफल होना चाहिए, अगर कई मामलों में, उन्हें घर छोड़ने की अनुमति नहीं है और उनसे घर के सभी कर्तव्यों को अकेले पूरा करने की अपेक्षा की जाती है? इससे उनके पास उद्यमशीलता गतिविधियों में समर्पित होने के लिए बहुत कम या कोई समय या ऊर्जा नहीं बचती है। इसके अलावा, शोध से पता चला है कि महिलाओं को क्रेडिट, नेटवर्किंग के अवसरों और व्यावसायिक सहायता सेवाओं तक पहुँचने में भी काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ये पहलू किसी भी व्यवसाय के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और स्टार्टअप इंडिया जैसी सरकारी पहलों का उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को बढ़ाना है, लेकिन महिलाओं के सामने आने वाले प्रणालीगत मुद्दों का समाधान करने में विफल हैं। उदाहरण के लिए, पीएम एमवाई छोटे व्यवसायों को संपार्श्विक–मुक्त ऋण प्रदान करता है, लेकिन महिलाओं के सामने आने वाली अनूठी बाधाओं, जैसे वित्तीय संसाधनों तक खराब पहुंच, संपार्श्विक की कमी और प्रतिबंधात्मक सामाजिक मानदंडों का समाधान नहीं करता है।

इसी तरह, स्टार्टअप इंडिया में महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्ट–अप जैसे मेंटरशिप और नेटवर्किंग अवसरों के लिए लक्षित समर्थन का अभाव है। विनिर्माण और कृषि जैसे पारंपरिक क्षेत्रों पर सरकार का ध्यान सेवा क्षेत्र की क्षमता को नजरअंदाज करता है। परिवर्तन लाने का एक तरीका लक्षित नीतियों और पहलों को लागू करना होगा। इन नीतियों में लिंग–विशिष्ट घटकों को अनिवार्य बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए सभी उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रमों में, महिला उद्यमियों की विशिष्ट आवश्यक ताओं के अनुरूप वित्त, परामर्श, नेटवर्किंग और सहायता सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करना। कंपनियों को सुलभ और किफायती चाइल्ड कैअर सुविधाओं में भी निवेश करना चाहिएय इससे बड़ी संख्या में महिलाओं को कार्यबल में प्रवेश के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

इसके अलावा, सरकार को ऐसे हस्तक्षेपों को डिजाइन और कार्यान्वित करने के लिए महिला संगठनों, नागरिक समाज समूहों और निजी क्षेत्र के साथ सहयोग करना चाहिए जो महिलाओं की गतिशीलता और निर्णय लेने की शक्तियों में बाधा डालने वाले गहरे रूढ़िवादी सामाजिक मानदंडों को संबोधित करते हैं। ऐसी नीतियों को प्राथमिकता देना जो एक ऐसा माहौल तैयार करें जो महिलाओं को सुरक्षित महसूस करने और उद्यमियों के रूप में आगे बढ़ने में मदद करे, सरकार को प्रतिभा और आर्थिक क्षमता के भंडार को अनलॉक करने में सक्षम बनाएगी। हालाँकि, इन नीतियों को लागू करना भारतीय महिलाओं के लिए समान अवसरों और अधिकारों की लंबी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

ईमानदारी से पेड़ लगाना ज्यादा जरूरी

विनोद

देश में गर्मी का प्रकोप जारी है। राजस्थान में तो तापमान 46 डिग्री को पार कर गया है। राजस्थान के कई शहरों में सड़कों पर पानी का छिड़काव हो रहा है तो जयपुर शहर में कुछ चुनिंदा रेड लाइट्स पर धूप से बचने के लिए हरे पर्दे लगा दिए गए हैं, जो चर्चा का विषय बना हुए हैं। कुछ लोग सरकार के इस इनिशिएटिव की तारीफ कर रहे हैं तो कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि यदि पेड़ लगाए होते तो हरे पर्दों की जरूरत नहीं पड़ती। इस बात में दम भी है। दरअसल, शहर तो बढ़ रहे हैं, लेकिन उस लिहाज से पेड़ों को नहीं लगाया जा रहा है। यही कारण है कि देश के अधिकांश शहरों में सड़कें पेड़ विहीन हैं, जबकि भारत में पूर्व में सड़क किनारे पेड़ लगाने की परंपरा रही है। जयपुर के चौराहों पर लगे हरे पर्दों ने एक बार फिर सड़क किनारे पेड़ों की महत्व के विषय को चर्चा में लाने का काम किया है। एक बार फिर इस बात पर बहस हो रही है कि कंक्रीट के जंगल यदि जरूरी हैं तो पेड़ लगाना उतना ही जरूरी है। वैसे तो भारत में वनों की संख्या में इजाफा हुआ है, लेकिन हमारे शहर जरूर पेड़ विहीन होते जा रहे हैं। भले वो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली हो, आर्थिक राजधानी मुंबई हो या फिर राजस्थान की राजधानी जयपुर, अधिकांश सड़कें पेड़ों के बिना सूनी नजर आती हैं।

ट्रीज ऑफ इंडिया की रिपोर्ट

कुछ माह पहले ट्रीज ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट आई थी, जिसका अध्ययन श्जर्नल बायोडायवर्सिटी एंड कंजर्वेशनश में प्रकाशित हुआ। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में पेड़ों की 3708 से ज्यादा प्रजातियां हैं, लेकिन 347 प्रजातियों पर संकट छाया हुआ है, यानी हम विकास की दौड़ में अपने देश की पेड़ों की प्रजातियां की भी बलि चढ़ाते आ रहे हैं। खास बात यह है कि पेड़ों की 609 प्रजातियां तो ऐसी हैं, जो दुनिया में केवल भारत में पाई जाती हैं, यानी इन पेड़ों का मूल निवास भारत है। नेचर पत्रिका की एक रिसर्च कहती है कि भारत में 3518 करोड़ पेड़ हैं। प्रति स्क्वायर किलोमीटर के हिसाब से 11,109 पेड़ हैं, यानी प्रति व्यक्ति अगर आंकड़ा निकाला जाए तो यह संख्या केवल 28 होती है। प्रति व्यक्ति पेड़ों के लिहाज से हमारी दुनिया में 125 वीं रैंक है। जनवरी 2022 में संसद में सरकार ने वन सर्वेक्षण रिपोर्ट–2021 जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि पिछले दो वर्षों में देश के कुल वन और वृक्षों से भरे क्षेत्र में 2261 वर्ग किलोमीटर की बढ़ोतरी हुई है। 17 राज्यश् केंद्र शासित शासित प्रदेशों का 33 प्रतिशत से अधिक भौगोलिक क्षेत्र वनों से पटा हुआ है। यह अच्छी बात है, लेकिन यदि सरकारी रिपोर्ट में दम है तो फिर यह पेड़ शहरों में क्यों नजर नहीं आते हैं? प्रत्येक साल मानसून में व्यापक स्तर पर पूरे देश में पौधारोपण का युद्ध स्तर पर अभियान चलाया जाता है। सैकड़ों पेड़ लगाने के बड़े–बड़े दावे होते हैं, लेकिन अमूमन देखा गया है कि पौधा लगाकर सरकार अपने कर्तव्यों से इतिश्री कर लेती है और वो पौधा कभी पेड़ बना या नहीं, इसका कोई रिकॉर्ड सरकार के पास नहीं है। जिस तरीके से ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। इसके दुष्प्रभाव हम मौसम के असामान्य होने में देख रहे हैं। बढ़ता तापमान आज हमें परेशान कर रहा है, लेकिन क्या केवल चुनिंदा चौराहों पर हरा पर्दा लगाकर राहत प्रदान की जा सकती है। असहनीय धूप में दोपहिया वाहनों और पैदल यात्रियों का चलना बेहद मुश्किल है। सरकार राहत देने के लिए हरे पर्दे तो लगवाए, लेकिन ज्यादा जरूरी आज सड़कों को पेड़ों से पाट देने की है।

उच्च रक्तचाप बीमारी नहीं, लक्षण है

आदित्य

हमारी नसों में खून के समुचित प्रवाह के लिए एक दबाव या तनाव की जरूरत होती है, जो सीमा से अधिक होने पर उच्च रक्तचाप या हाइपरटेंशन कहा जाता है. आम तौर पर उच्च रक्तचाप को एक बीमारी के रूप में देखा जाता है और चिकित्सक भी उसी का उपचार कर रहे हैं. पहले यह मान्यता थी कि सामान्य ब्लड प्रेशर की सीमा 80 और 120 होनी चाहिए. अमेरिकी हार्ट एसोसिएशन ने इसमें बदलाव करते हुए सीमा को 70 और 110 निर्धारित किया है. एथलीटों और अच्छी जीवनशैली वाले लोगों में ब्लड प्रेशर 60 और 100 पाया जाता है. इसे भी उनके लिए सामान्य माना जाना चाहिए. इस सीमा से अधिक या कम होने पर जांच की आवश्यकता होती है. यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि हाइपरटेंशन एक बीमारी नहीं है, बल्कि कुछ बीमारियों का लक्षण है. लक्षण के निर्धारण के लिए रक्तचाप को दो प्रकारों में बांटा गया है– प्राइमरी हाइपरटेंशन और सेकेंडरी हाइपरटेंशन. भारत में अधिकतर लोगों को प्राइमरी हाइपरटेंशन की समस्या है. यह वह स्थिति है कि डॉक्टर ने देखा कि व्यक्ति का ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ है, पर इसका कोई खास कारण नहीं मिला. इसे एसेंशियल हाइपरटेंशन भी कहा जाता है. सेकेंडरी हाइपरटेंशन में बीमारी, जैसे– किडनी की समस्या, हार्ट की कोई खराबी, कोई ट्यूमर आदि– का पता चलता है. इस श्रेणी में ऐसे लोग भी होते हैं, जो दुकान से दवा, खासकर दर्दनिवारक, खरीद खाते हैं.

कई दवाओं में ब्लड प्रेशर बढ़ाने वाले तत्व होते हैं. खाने में नमक की मात्रा अधिक होना भी सेकेंडरी हाइपरटेंशन का कारण हो सकता है. अक्सर ऐसा होता है कि आपकी जीवनशैली ठीक नहीं है, पर आपका हृदय ठीक काम कर रहा है. वैसे में खून की नालियों में संकुचन आ जाता है और ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है. आधुनिक चिकित्सा में उपाय यह निकाला जाता है कि दवा देकर खून को पतला कर दिया जाए और हाइपरटेंशन कम हो जाए. उस स्थिति में एड्रीनलिन शरीर के अन्य हिस्सों– मस्तिष्क, हार्ट, किडनी आदि– पर असर करेगा. लेकिन देखा तो यह जाना चाहिए कि नसों में संकुचन क्यों हुआ. अगर व्यक्ति मोटापा का शिकार हो, तो उसे उच्च रक्तचाप की शिकायत हो सकती है. बहुत अधिक कैलोरी के भोजन, जैसे– पिज्जा, बर्गर आदि प्रोसेस्ड फूड, अधिक वसा, नमक और चीनी के सेवन से भी ब्लड प्रेशर की समस्या होती है. ऐसे व्यक्ति को हृदय रोगों, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियां हो सकती हैं. मोटापा बढ़ने से शरीर अधिक इन्सुलिन बनाने लगता है. इन्सुलिन का काम ग्लूकोज कम करना होता है, पर आप उसे बार–बार बढ़ायेंगे, तो वह शरीर में सोडियम और पानी जमा करने लगेगा, जो हाइपरटेंशन का एक कारण बनता है. साठ से अस्सी किलो वजन के व्यक्ति को हर दिन छह ग्राम नमक खाना चाहिए. बहुत अधिक चीनी खाना भी इन्सुलिन स्पाइक करेगा और ब्लड प्रेशर बढ़ेगा. इन आदतों के साथ–साथ लोगों की जीवनशैली सुस्त है. आम तौर पर हमें हर दिन आधे घंटे व्यायाम करना चाहिए. यहां व्यायाम से मतलब जिम नहीं है. सामान्य कसरत, जैसे टहलना, दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना आदि, से उच्च रक्तचाप की स्थिति को पैदा होने से रोका जा सकता है. लोग अगर हर दिन 10–12 हजार कदम पैदल चलें, तो ब्लड प्रेशर ही नहीं, कई घातक रोगों से बचाव हो सकता है. तनाव हाइपरटेंशन का एक बड़ा कारण है. जैसी शहरी जिंदगी की आपाधापी है, उसमें तनाव होना स्वाभाविक है. इस पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि तनाव से एड्रीनलिन के साथ–साथ एक हार्मोन और निकलता है, जो सोडियम और पानी जमा करता है तथा मोटापे का कारण बनता है. इसमें भोजन की खराब आदत और सुस्त होने के पहलुओं को जोड़ लें, तो तनाव एक बेहद चिंताजनक कारक बन जाता है. शराब और धूम्रपान भी उच्च रक्तचाप के बड़े कारण हैं. यह समझना आवश्यक है कि उच्च रक्तचाप सभ्यता के अनियोजित विकास का एक अभिशाप है. जैसे जैसे हमारी वर्तमान सभ्यता और लापरवाह जीवनशैली आगे बढ़ेगी, हाइपरटेंशन की समस्या गंभीर होती जायेगी तथा बीमारियों का बोझ बढ़ता जायेगा. कभी पहले मिट्टी, लोहे, पीतल आदि के बर्तनों में भोजन बनाया जाता था. अब पॉलिश वाले और

नॉन–स्टिक बर्तनों का चलन बढ़ता जा रहा है. ऐसे बर्तनों में कुछ तत्व मेटाबॉलिक सिंड्रोम का कारण बनते हैं. इस सिंड्रोम में हाइपरटेंशन के साथ–साथ डायबिटीज आदि को गिना जाता है. प्लास्टिक में पैक किये गर्म खाने की चीजें भी खतरनाक हैं. यही स्थिति फास्ट फूड के साथ है. ऐसी वस्तुओं को संरक्षित करने के लिए उनमें नमक का अधिक इस्तेमाल होता है. स्वाद में नमक का असर कम करने के लिए चीनी डाली जाती है.

चीनी धूम्रपान की तरह लत लगने वाली चीज है. ऐसी वस्तुओं को जब हम बासी के रूप में खाते हैं, तो और भी रसायन निकलते हैं. इस प्रकार हमारी सभ्यता एक जटिल जंजाल में उलझ गयी है. बीमारियों का सीधा संबंध हमारी जीवनशैली और आदतों से हो गया है। सरल और सादा रहन–सहन हमें स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन दे सकता है।

पाकिस्तान के शोषण से पीओके की जनता बेहाल

कुलदीप

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पिछले कुछ दिनों से आटे की आसमान छूती कीमत और बिजली के बिल में अप्रत्याशित बढ़ोतरी के खिलाफ व्यापक प्रदर्शन जारी है। वहां की बदहाली का मुख्य कारण पीओके के साथ पाकिस्तान का सौतेला व्यवहार है। पाकिस्तान पीओके के संसाधनों की लगातार लूट में लगा है। इसी नीति के विरोध में यह प्रदर्शन उग्र रूप ले चुका है। लोगों का कहना है कि पीओके स्थित मंगला बांध से उत्पादित बिजली की पाकिस्तान में आपूर्ति की जाती है। हमें मिलने वाली सब्सिडी बंद करघबिजली के बिल में अप्रत्याशित बढ़ोतरी की गई है। पीओके स्थित मंगला से बांध दो से ढाई हजार मेगावाट बिजली पैदा होती है। इसकी उत्पादन लागत दर ढाई से तीन रुपये प्रति यूनिट है और पाकिस्तान सरकार उपभोक्ताओं से 50 से 60 रुपये प्रति यूनिट वसूल करती है। इस आंदोलन का नेतृत्व जम्मू–कश्मीर संयुक्त आवामी एक्शन कमेटी कर रही है। आंदोलन को कुचलने के लिए हजारों की संख्या में रेंजर्स तैनात किए गए हैं। इसमें दोनों तरफ से हुई झड़पों में आंदोलनकारी, रेंजर्स और पुलिस कर्मचारी मारे गए हैं। अब इस मुद्दे की गूंज ब्रिटेन और कई देशों में पहुंच गई है। ब्रिटेन में पाकिस्तान कश्मीर पीपुल्स पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान वाणिज्य दूतावास के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, अब मुजफ्फराबाद में हेलीकॉप्टरों के माध्यम से सेना के कमांडो की तैनाती की जा रही है, जिससे हिंसा और जान–माल के नुकसान की आशंका और ज्यादा बढ़ गई है। पीओके के हालात अब इतने बदहाल हो गए हैं कि वहां के लोग पाकिस्तानी हुकूमत के खिलाफ खुली बगावत पर उतर आए हैं। वे खुलेआम कह रहे हैं कि श्हम भारत में शामिल होना चाहते हैं, कम से कम हमें वहां दो वक्त की रोटी तो मिल जाएगी। यहां जीना दूभर हो गया है। यहां के प्राकृतिक संसाधनों को पाकिस्तान लूट रहा है। वह अपनी जरूरत की चीजें निकाल कर ले जाता है, लेकिन हमें कुछ नहीं मिलता। गौरतलब है कि विगत 10 मई को वहां भारतीय तिरंगा लहराए गए। कई जगह पर श्हमें भारत से मिला दोश के नारे लिखे हुए पोस्टर भी लगाए गए। दरअसल पीओके के लोग देख रहे हैं कि जम्मू–कश्मीर के निवासी शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जम्मू–कश्मीर में खुशहाली और विकास की नई लहर चल पड़ी है। हाल ही में हुए संसदीय चुनाव में जम्मू–कश्मीर में 38 फीसदी का रिकॉर्ड मतदान हुआ, जो पहले हुए मतदानों से काफी ज्यादा है।

पाकिस्तान की सरकार ने पीओके को 23 अरब पाक रुपये का अनुदान दिया है, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। हकीकत तो यह है कि पीओके के लोग पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर अब बिल्कुल भी भरोसा नहीं करते। प्रधानमंत्री पीओके जाकर बातचीत के जरिये वहां की समस्याओं का हल निकालना चाहते हैं। अब देखना होगा कि उनकी बातचीत क्या रंग लाएगी। देखा जाए, तो 1947 के बाद भारत की किसी भी सरकार ने पीओके को पाकिस्तान के कब्जे से छुड़ाने की कोई कोशिश नहीं की। लेकिन हमारी मौजूदा मोदी सरकार के रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और विदेश मंत्री ने पीओके के संजीदा हालात को देखते हुए कहा है कि पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे हर हाल में पाकिस्तान के चंगुल से निकाल कर रहेंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत इसे वापस लेने के लिए ठोस कदम उठाएगा, ताकि इसके दूसरे हिस्से को जम्मू–कश्मीर के साथ मिलाया जा सके। अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद जम्मू–कश्मीर के हालात काफी बेहतर हुए हैं। इससे पहले संसद में दो प्रस्ताव भी पास हो चुके हैं। अब पाकिस्तान से हिसाब लेने का समय आ गया है। पीओके में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई वहां के युवाओं को हथियार और प्रशिक्षण देकर भारत के खिलाफ भड़काती है और जम्मू–कश्मीर में घुसपैठ करा रही है। पीओके में आतंकियों के प्रशिक्षण शिविर भी बने हुए हैं। अगर पीओके को कब्जे से छुड़ा लिया गया, तो ये शिविर बंद हो जाएंगे। आगामी चार जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद जब नई सरकार का गठन हो जाएगा, तो इसके तुरंत बाद सरकार अपने एजेंडे में पीओके की वापसी को प्राथमिकता में रखेगा।

आपदा में अवसर का फायदा

ललित

हाल में जब आरबीआई ने दो बड़े बैंक एचडीएफसी और कोटक महिंद्रा पर कार्रवाई की तो इनके शेयरों में 15 फीसदी तक की गिरावट आई। इसका यह मतलब बिलकुल नहीं है कि ये बैंक भविष्य में बंद हो जाएंगे, या इनके खाता बही पर लंबे समय तक असर होगा। लेकिन कार्रवाई से जरूर इनके शेयरों पर असर हुआ। यह एक अवसर था, जहां इन बड़े शेयरों को 15 फीसदी सस्ते भाव में खरीद सकते थे। इस तरह के अवसर कभी नियामकीय कार्रवाई, कभी नीतियों के बदलाव या किसी और भी तरीके से आ सकते हैं।

कोटक–एचडीएफसी में 10,000 करोड़ की खरीद

एचडीएफसी बैंक पर कार्रवाई हटा ली गई। कोटक भी जब अपने कार्य से नियामक को संतुष्ट कर देगा तो उस पर भी की गई कार्रवाई हट जाएगी। कोटक बैंक का शेयर टूटकर एक साल के निचले स्तर 1,544 रुपये पर चला गया। अब यह 1,696 रुपये पर है। एक महीने में करीब 150 रुपये प्रति शेयर बढ़ा है। अप्रैल में जब शेयरों में तेज गिरावट आई तो म्यूचुअल फंडों ने दोनों बैंकों के 10,000 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। फंड हाउसों को उम्मीद है कि नियामकीय कार्रवाई अस्थायी है।

विशेष स्थितियों वाले फंड में निवेश

ऐसे मौकों का लाभ उठाने के लिए विशेष स्थितियों वाले फंडों में निवेश कर सकते हैं। सैमको म्यूचुअल फंड का स्पेशल अपॉर्चयूनिटी फंड 31 मई को बंद होगा। यह विशेष स्थितियों वाली थीम में निवेश करेगा। इससे 500 करोड़ जुटाने की योजना है। इस तरह के फंड कम मूल्य वाले या नजरअंदाज किए गए अवसरों के जरिये लंबे समय में अच्छा रिटर्न देते हैं। इस फंड का उद्देश्य 10 विशेष स्थितियों में शामिल प्रतिभूतियों के पोर्टफोलियो में निवेश करना है।

ये हैं प्रमुख विशेष स्थितियां

प्रमुख विशेष स्थितियों में डिजिटलीकरण, कॉरपोरेट कार्रवाई, सुधार आधारित रणनीति, कम मूल्य वाली होल्डिंग कंपनियों की रणनीति, समय के साथ टिकाऊ रुझान, इनोवेशन और तकनीकी व्यवधान के साथ नए व उभरते क्षेत्र शामिल हैं। यह स्थितियां अक्सर गलत और कम मूल्य निर्धारण के अवसर पैदा करती हैं, जिनका फंड संभावित पूंजी में मजबूती के लिए फायदा उठाना चाहते हैं। खुद को किसी विशेष सेगमेंट तक सीमित न रखते हुए ऐसे फंड निवेश के अवसरों की एक विस्तृत शृंखला को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं। वे बाजार के विविध और कम खोजे गए क्षेत्रों में दोहन करके रिटर्न को बढ़ाते हैं।

महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे, बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली का लखनऊ आगमन

रोलिंग स्टाक वर्कशाप (लोको एवं कैरिज) का किया निरीक्षण एवं जगजीवन राम रेलवे सुरक्षा बल अकादमी में आयोजित दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हुए सम्मिलित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर रेलवे के मुख्यालय,बड़ौदा हाउस, नई दिल्ली से महाप्रबंधक, शोभन चौधुरी का मुख्यालय के अन्य अधिकारियों के साथ लखनऊ आगमन हुआ। अपने इस आगमन के दौरान उन्होंने मुख्यालय से आए अधिकारियों तथा मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ, एस.एम.शर्मा तथा मंडल के अन्य अधिकारियों के साथ लखनऊ के चारबाग में स्थित रोलिंग स्टॉक वर्कशॉप (लोको एवं कैरिज), उत्तर रेलवे का निरीक्षण किया एवं इसके उपरांत जगजीवन राम रेलवे सुरक्षा बल अकादमी में आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए। अपने निरीक्षण कार्यक्रम से पूर्व महा प्रबंधक का आगमन मंडलीय चिकित्सालय में हुआ। वहां पहुंचकर उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी, डॉ. संगीता सागर से रोगियों को प्रदान की जाने वाली चिकित्सा सुविधाओं एवं चिकित्सा संबंधी कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा चिकित्सालय का अवलोकन किया।महाप्रबंधक ने आधुनिक चिकित्सा तकनीक द्वारा चिकित्सा सुविधाओं का निरंतर उन्नयन करते रहने तथा आधुनिकतम परीक्षण संयंत्रों की उपलब्धता की अनिवार्यता की बात कही। तदोपरांत उनका आगमन रोलिंग स्टॉक वर्कशॉप (लोको एवं कैरिज), उत्तर रेलवे,चारबाग में हुआ। वहां पहुंचकर उन्होंने मुख्य कारखाना प्रबंधक,श्री मनीष पाण्डेय के साथ वर्कशॉप का गहनता से निरीक्षण किया। उन्होंने वर्कशॉप का मॉडल, वी.सी.बी. ओवरहॉलिंग एंड एनालाइजर एरिया, बोगी शॉप, फेब्रीकेशन शॉप, रोलर बेयरिंग निरीक्षण एंड जाइग्लो सेक्शन, सी.डब्ल्यू.ई.शॉप, मेटालर्जिकल माइक्रोस्कोप सहित अन्य कार्यस्थलों का निरीक्षण किया तथा अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में सम्मिलित होकर अपने सुझाव एवं निर्देश पारित किए।

अपने आगमन के अगले चरण में महाप्रबंधक, जगजीवन राम रेलवे सुरक्षा बल अकादमी में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए अकादमी की ओर रवाना हो गए। अकादमी में महाप्रबंधक, परिसर में स्थित शहीद स्मारक पर पहुंचकर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे एवं इसके उपरांत राष्ट्रीय रेल सुरक्षा संग्रहालय का अवलोकन करेंगे। तदोपरांत दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा नवनियुक्त आईआरपीएफएसध्रोबेशनर्स को निष्ठा की शपथ दिलाई जाएगी एवं पुरस्कार विजेताओं को पदक प्रदान किया जाएगा । यह कार्यक्रम देर शाम तक जारी रहेगा । इसके पूर्व अपने आज के इस कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक ने स्टेशन पर उपस्थित यूनियन के पदाधिकारियों से भी भेंट की एवं वर्कशॉप में भी यूनियन के पदाधिकारियों के साथ वार्ता की।आज के इस निरीक्षण कार्यक्रम में मुख्यालय, मंडल, वर्कशॉप, रेल सुरक्षा बल सहित अन्य यूनिटों के अधिकारी एवं कर्मचारी सम्मिलित हुए।

नागरिकों ने उत्साह पूर्वक किया मतदान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए नागरिकों ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया। लखनऊ जनकल्याण महासमिति के सचिव रूप कुमार शर्मा ने पत्नी रेखा शर्मा व परिवार के साथ विवेक खण्ड 3 स्थित जॉन बास्को कालेज में मतदान किया। पौत्री अनन्या शर्मा ने अपने पहले मताधिकार का प्रयोग किया। अनन्या शर्मा ने कहा कि मैंने अपना पहला वोट देश की सुरक्षा, देश के विकास एवं युवाओं की समस्या के समाधान को ध्यान में रखते हुए किया है।

वैष्णव खण्ड जनकल्याण समिति की अध्यक्ष नीलिमा जोशी ने बताया कि समिति के द्वारा वोट देने वाले नागरिकों को पानी की बोतल व छाछ दिया गया। नेहरू एंक्लेव की डॉ अंजू वार्ष्णेय व सुरेश अग्रवाल ने विश्वास खण्ड स्थित सेंट पीटर्स स्कूल मतदान केंद्र पर जलपान एवं अल्पाहार जिसमें मट्ठा, कोल्डड्रिंक, भेलपुरी, कटलेट आदि का वितरण किया।

फीनिक्स युनाइटेड लखनऊ के एनिवर्सरी सेलिब्रेशन में मची सूफी संगीत की धूम

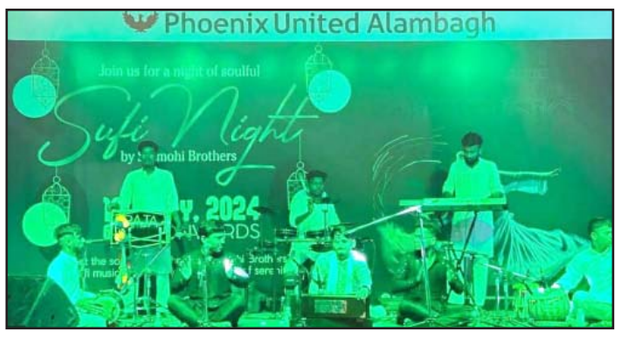

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मई महीना फीनिक्स युनाइटेड लखनऊ के बेहद खास है। लखनऊ का फेवरिट शॉपिंग डेस्टिनेशन अपनी 14वीं वर्षगांठ का जश्न मना रहा है। इस उपलक्ष्य में फीनिक्स युनाइटेड ने अपने ग्राहकों के लिए हर वीकेंड मनोरंजक और यादगार शाम का आयोजन किया। इसी कड़ी में मॉल ने अपने ग्राहकों के लिए अद्भुत और मनोरंजक कार्यक्रम सूफी नाइट बाय सुरमोही ब्रदर्सश का आयोजन किया। कार्यक्रम में ग्राहकों के साथ सवाल–जवाब का दौर भी शामिल गया और विजेताओं को आकर्षक उपहार भी वितरित किए गए। सूफी नाइट बाय सुरमोही ब्रदर्स एक अद्वितीय और प्रेरणादायक संगीत संध्या साबित हुई, जिसमें सुरमोही ब्रदर्स अपनी सूफी गायकी से श्रोताओं को संगीत की गहराइयों में ले गए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी दर्शकों ने सुरमोही ब्रदर्स की प्रस्तुति की जमकर सराहना की और फीनिक्स यूनाइटेड को इस शानदार आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। फीनिक्स मिल्स के सीनियर सेंटर डायरेक्टर श्री संजीव सरीन ने कहा, हम फीनिक्स युनाइटेड लखनऊ में अपनी 14वीं वर्षगांठ को ग्राहकों के साथ मनाने के लिए उत्साहित हैं। सूफी नाइट एक शानदार सफलता थी और इसने ग्राहकों को एक साथ आने और लाइव संगीत का आनंद लेने का मौका दिया। हम आने वाले समय में और भी रोमांचक कार्यक्रमों की योजना बना रहे हैं।

स्काउट गाइड ने रोडवेज पर प्याऊ शिविर लगाकर मतदान के लिए किया प्रेरित

स्काउड गाइड ने यात्रियो की बुझाई प्यास, किया मतदान के लिए जागरूक

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवस्तव

जौनपुर। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिलाधिकारीध जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ के नेतृत्व में स्वीप गतिविधियां लगातार चल रही है। इसी के तहत मंगलवार को स्काउट गाइड जिला ईकाई द्वारा रोडवेज परिसर में प्याऊ शिविर लगाकर लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। कैडेटस द्वारा यात्रीयो को गर्मी से राहत पहुचांने के लिए ठंडा पानी पिलाया गया और बसो के अन्दर जा जाकर यात्रीगण को वोट करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

कैडेटस ने युवाओं व बुजुर्गों और महिलाओं से संवाद कर भारतीय संविधान में निहित मूल अधिकारों में से एक मतदान के अधिकार के प्रति लोगों को सजग किया और बताया कि आपका वोट बेशकीमती है। एक–एक वोट से राष्ट्र का निर्माण होता है व सुयोग्य जनप्रतिनिधि चुने जाते हैं।

जिला मुख्य आयुक्त डा रणजीत सिंह ने यात्रीयो को मतदान करने की शपथ दिलाई। उन्होंने यात्रीयो व कैडेट्स को 25 मई को मतदान करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि छात्र–छात्राओं के जरिए उनके अभिभावकों व आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए जागरूक करें। उन्होंने कैडेट्स से कहा कि मतदान वाले दिन टोली बनाकर मतदाताओं को घर से निकलकर मतदान केंद्रों तक लाने हेतु प्रेरित करें। तथा स्काउट गाइड के बच्चे बूथों पर रहकर बुजुर्गों व दिव्यांगों की मदद करें।

जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने यात्रियों को यात्रा की मंगलमय शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप लोग जहाँ भी जाये लेकिन मतदान तिथि वाले दिन 25 मई को घर आकर अपना मतदान जरुर करें। अपने लोकतंत्र का गौरव कायम रखने के लिए समझदारी व नैतिक आधार पर बिना किसी लालच या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग करें। लोकतांत्रिक देश में मत का प्रयोग एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया के साथ संवैधानिक अधिकार भी है, इसलिए मत का प्रयोग करना अपना नैतिक कर्तव्य समझें।

जिला सचिव डा अखिलेश श्रीवास्तव ने कहा कि संविधान ने जो शक्ति दी है, उसमें सभी के वोट का मूल्य बराबर है, इसमें कोई पक्षपात नहीं है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब शत प्रतिशत मतदान होगा। संचालन जिला संगठन आयुक्त राकेश मिश्रा ने किया। इस अवसर पर सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ममता दुबे, जिला प्रशिक्षण आयुक्त अफशा तरन्नुम, सहायक प्रशिक्षिका खुश्बू मौर्य, सहायक प्रशिक्षक, नेसार अहमद, नितेश प्रजापति, मलय साहू, मो अरशद, निर्मल गुप्ता, पियूष कुमार, आदित्य कुशवाहा सहित काफी संख्या में यात्रीगण उपस्थित रहे।

महिला के साथ अश्लील हरकत करने व जानलेवा हमले के मामले में युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिले के कोतवाली बीकापुर क्षेत्र में मजदूरी करके अपने घर आ रही महिला के साथ अश्लील हरकत करने और जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है। बताते चलें कि क्षेत्र के एक गांव निवासी ने महिला ने दिये गये तहरीर में बताया कि वह पति की मौत के बाद मेहनत–मजदूरी करके अपने दो नाबालिग बच्चों का भरण–पोषण कर रही है।14 मई को जब वह धेनुवावां में मजदूरी करने गई थीं।देर शाम करीब सात बजे पैदल घर वापस आ रही थीं। रास्ते में तालाब के पास पहले से मौजूद ऊंचहा मलेथू कनक निवासी दीपू तिवारी ने उन्हें पकड़ लिया और अश्लील हरकत करने लगा।विरोध पर आरोपी ने पिटाई भी की। हल्ला–गुहार मचाने पर राहगीरों ने बीच बचाव कराया तो वह धमकी देते चला गया।मारपीट में गंभीर चोट आने से वह बेहोश हो गईं तो ग्रामीणों ने एंबुलेंस से उन्हें सीएचसी बीकापुर पहुंचाया।

हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अभी भी उनका इलाज चल रहा है।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक लालचंद सरोज ने बताया कि आरोपी दीपू तिवारी के विरुद्ध केस दर्ज कर मामले की छानबीन में जुट गई है।

बढ़ती महंगाई से किसान युवा छात्र महिलाऐ परेशान – लालचंद्र लाले

देश की उपासना
धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। गुलाबी देवी महाविद्यालय सिद्दीकपुर में समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा के पक्ष में जनसभा हुई। जिसमें सपा के वरिष्ठ नेता लालचंद यादव लाले ने कहां की देश में बढ़ती महंगाई से किसान युवा छात्र महिलाए व जनता परेशान है , बेरोजगारी,गरीबी बढी है । जबकि भाजपा विकास कार्यो की कोई बात नहीं करती। जनसभा को संबोधित करते हुए सपा के नेता लालचंद यादव लाले ने कहा कि आज के दौर में जनता को स्वास्थ्य चिकित्सा बिजली पानी शिक्षा शौचालय आदि की मूलभूत जरूरत है, लेकिन विकास के मुद्दे पर भाजपा बात नहीं करती वह सिर्फ धर्म भेदभाव हिंदू मुस्लिम की बात करती है ,समाज को बांटने का बात करते हैं जो ही बेहद शर्मनाक है। कहा कि सपा प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा जमीन से जुड़े नेता हैं। सदर लोकसभा के प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर बाबू सिंह कुशवाहा ने कहा कि भाजपा सरकार जनता का ख्याल नहीं रख रही है, वह सिर्फ अपने खजाने भरने के काम कर रहे हैं । परिवर्तन की जरूरत है और इस बार जनता परिवर्तन लाकर सरकार को सत्ता से बेदखल करने का काम करेगी। जनता की जो भी मूलभूत आवश्यकताएं होगी वह आने वाली इण्डिया गठबंधन की सरकार जनता तक पहुंचाएगी। कार्यक्रम का संचालन सदर विधानसभा अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार यादव ने किया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक अरशद खान,अमित यादव, रामसूरत मौर्या तेजू, धीरेंद्र कुमार यादव गुड्डू, बाकेलाल यादव राकेश कुमार, दारा सिंह चौहान, वीरेंद्र यादव नेवादा, अनिल सिंह, जितेंद्र यादव ,लोहिया के जिला अध्यक्ष आनंद गुप्ता, विनोद यादव,सुरेंद्र यादव, मौजूद रहे।

स्वच्छता जागरूकता के लिए अम्बरीश, आलोक व अशरफ ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना) नगर पालिका परिषद के अधिशाषी अधिकारी आर आर अंबेश ने मंगलवार को नगरपालिका के तीन ब्रांड अम्बेडसरो को प्रशस्ति पत्र देकर साल उढाकर सम्मानित किया और उनसे उचित योगदान की अपील कीस स्वच्छता सर्वेक्षण में जन सामान्य को स्वच्छता के बारे में जागरूक करने और नगर को स्वच्छ रखने के लिए लोगों को प्रेरित करने के प्रयासों को देखते हुए तीन महत्पूर्ण व्यक्तित्व में अंबरीष कुमार सक्सेना वरिष्ठ पत्रकार, आलोक पाठक एडवोकेट/वरिष्ठ पत्रकार,अशरफ अली खां वरिष्ठ पत्रकार को इसकी जिम्मेदारी सौपकर उन्हें सम्मानित किया।नगर पालिका कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में तीनों ब्रांड एम्बेसडर को अधिशासी अधिकारी आर आर अम्बेश ने ब्रांड अम्बेडसर का प्रशस्ति पत्र प्रदान किया और उनके समाज हित मे किये जा रहे कार्यों की सराहना की। तीनों ने ही नगर को स्वच्छ रखने में अपने प्रयासों को जारी रखने का संकल्प दोहराया।ईओ ने ब्रांड एम्बेसडर से सहयोग की आशा करते हुए कहा कि पालिका से जुड़े स्वच्छाता कार्यों मे आप सबकी भूमिका महती होंगीससमाज के विशेष अंग होने के कारण आप लोग समाज मे महत्वपूर्ण पायदान पर विराजमान है इसलिए आमजन को सीख देने के लिए ब्रांड एम्बेसडर बहुत बड़ा मील का पत्थर साबित होंगेसकार्यक्रम मे आलोक पाठक ने नगर के मुख्य स्थानों पर व्यापारियो और आम जनमानस की सुविधा के लिए मूत्रालय की बड़ी समस्या उठाई जिस पर ईओ श्री अम्बेश ने चौक मे बैंक ऑफ इण्डिया के पास,बस स्टेण्ड चौराहा,वेझा चौराहा,महुआ टोला चौराहा,सब्जी मंडी के पास मे तथा अल्हापुर में यूरिनल की व्यवस्था करने का अस्वासन दिया और अति शीघ्र समस्या के निराकरण के लिए अपने अधीनस्थ को दिशा निर्देश भी दिएसइस मौके पर लेखाकार असद खां , अनस खां,सफाई निरीक्षक दीपक कुमार, हासिम, वहीद खां एवं फजील खां आदि मौजूद रहे।

निरीक्षण व प्ली–बारगेनिंग विषय पर जिला कारागार में हुआ विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना) उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई राज कुमार सिंह के सरंक्षण एवं अनुमति से एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई के तत्वाधान में आज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिवध्अपर जिला जज भूपेन्द्र प्रताप द्वारा जिला कारागार हरदोई का निरीक्षण तथा प्ली–बारगेनिंग विषय पर विधिक जागरूकता शिविर किया गया। अपर जिला जज द्वारा निरीक्षण के दौरान बन्दियों से उनकी समस्याओं के बारे जानकारी प्राप्त की तथा जेल प्रशासन व असिस्टेंट एल0ए0डी0सी0 अजय त्रिपाठी को बंदियों की समस्याओं के निस्तारण हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए, तत्पश्चात अपर जिला जज द्वारा प्ली–बारगेनिंग विषय पर जागरूकता शिविर में उपस्थित बंदियों को विस्तृत रूप से जानकारी दी गई । निरीक्षण के दौरान जिला कारागार अधीक्षक सतीश चंद्र त्रिपाठी, जेलर संजय कुमार सिंह, डिप्टी जेलर ओमकार पांडेय, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल अजय त्रिपाठी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक अभिषेक अवस्थी व जिला कारागार के कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोकसभा चुनाव सम्पन्न होने के दूसरे दिन खुमारी उतारते दिखे कर्मी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। गोसाईगंज विधानसभा को छोड़कर बाकी दरियाबाद, रुदौली, अयोध्या, मिल्कीपुर व बीकापुर मे सोमवार को लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न होने पर मंगलवार को जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने राहत की सांस लेते हुए दिखाई दिये।इसके अलावा नामांकन से लेकर चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों भी अपने अपने कार्यालयों पर सिर्फ आराम करते हुये दिखाई दे रहे थे।इसके अलावा किसी किसी कार्यालय पर वहां पर तैनात कर्मी चुनाव परिणाम के बारे चर्चा करते हुए दिखाई दे रहे थे। यही दशा शहर के विभिन्न चाय व अन्य दुकानों बनी रही। यहां पर मौजूद चाय की चुस्कियों के साथ मतदान प्रतिशत को लेकर हर कोई अपने अपने प्रत्याशियों को जिताने में गुणा भाग लगा रहा था।वही किसी किसी जगह पर जीत हार को लेकर आपस में तू तू मैं मैं भी होती दिखाई दे रही थी। बताते चलें कि लोकसभा चुनाव को लेकर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के लिए नामांकन से लेकर शांति पूर्वक ढंग से मतदान सम्पन्न कराने तक चुनौती भरी कार्य था।परंतु इस बार जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ साथ राजनीतिक दल के प्रत्याशियों व मतदाताओं के आपसी सामंजस्य के चलते किसी भी मतदान केंद्र से किसी भी तरह की अप्रिय घटनाओं की सूचना नही प्राप्त हुई।मतदान सम्पन्न होने के दूसरे दिन पुलिस विभाग के साथ साथ शिक्षा विभाग, विकास प्राधिकरण, विकास भवन, मत्स्य विभाग,पशु पालन विभाग, चिकित्सा विभाग,फायर विभाग,वन विभाग सहित अधिकतर ऐसे विभाग जहां के कर्मियों की ड्यूटी नामांकन व मतदान सम्पन्न कराने के लिये लगी थी वे चुनाव सम्पन्न होने के बाद मंगलवार को अपने अपने कार्यालयों में आराम करते हुए दिखाई दे रहे थे।किसी किसी कार्यालय में मौजूद कर्मी मतदान के परिणाम को लेकर हार जीत पर चर्चा परिचर्चा करते हुए दिखाई दे रहे थे।

लोकसभा क्षेत्र हरदोई के लिए सदर और मिश्रिख के लिए संडीला एसडीएम नामित

हरदोई(अम्बरीश कुमार सक्सेना) जिला निर्वाचन अधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बताया कि चार जून को होने वाली मतगणना के लिए प्रत्याशियों की ओर से गणना की निगरानी के लिए अभिकर्ता बनाए जाने हैं। लोकसभा क्षेत्र हरदोई के प्रत्याशियों के अभिकर्ता बनाए जाने के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारी सदर एसडीएम सुशील कुमार मिश्रा को नामित किया गया है। ऐसे ही लोकसभा क्षेत्र मिश्रिख के प्रत्याशियों के अभिकर्ता बनाए जाने के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारी संडीला एसडीएम तान्या को नामित किया गया है। दोनों अधिकारियों को आदेश दिए गए हैं कि वह प्रति मेज के लिए एक अभिकर्ता के पहचान पत्र जारी करेंगे। चार जून को होने वाली मतगणना की निगरानी के लिए प्रत्याशी अभिकर्ता नियुक्त कर सकेंगे। आपराधिक छवि के व्यक्ति को मतगणना अभिकर्ता नहीं बनाया जा सकेगा। एक मेज पर एक ही अभिकर्ता के लिए पास जारी होगा। प्रत्याशियों को अभिकर्ता बनाने जाने वाले लोगों की सूची के साथ इनके स्वच्छ छवि के होने का शपथ पत्र भी देना होगा। लोकसभा चुनाव की मतगणना में स्वच्छ छवि के लोगों को ही अभिकर्ता बनाया जाएगा। आयोग ने यह व्यवस्था प्रभावी किए जाने के साथ ही इसका पालन कराने के भी आदेश दिए हैं। लोकसभा क्षेत्र हरदोई की पांचों और मिश्रिख के तीन विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना यहां मंडी परिसर में कराई जाएगी। मंडी समिति में ही स्ट्रांग रूम बनाया गया हैं। यहां पर होने वाली मतगणना के लिए विधानसभा क्षेत्रवार पंडाल तय किए गए हैं। इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन की कंट्रोल यूनिट से होने वाली मतगणना और पोस्टल बैलेट पेपर गणना की निगरानी के लिए मेज लगवाई जा रहीं हैं।

थाना पीजीआई पुलिस टीम द्वारा 01 शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की एक अदद स्कूटी बरामद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस के मुताबिक थाना पीजीआई पुलिस टीम द्वारा थाना हाजा से रवाना होकर देखभाल क्षेत्र, तलाश वांछित अभियुक्त व चेकिंग संदिग्ध, व्यक्ति, वस्तु, वाहन की तलाश में शनि मंदिर चौराहे पर मौजूद थी कि पूर्व से मामूर मुखबिर खास उपस्थित आया और बताने लगा कि साहब जो स्कूटी दिनांक 17.05.2024 को आपके चौकी क्षेत्र से चोरी हुई है ठीक वैसी ही ग्रे कलर की स्कूटी लिए एक व्यक्ति शनि मंदिर से चिरैय्या बाग जाने वाले मार्ग पर लेकर खड़ा है यदि जल्दी किया जाय तो पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर विश्वास करके मुखबिर द्वारा बताये स्थान की तरफ चल दिये हम पुलिस वाले कुछ दूर चलने के बाद मुखबिर द्वारा दूर से इशारा करके बताया कि जो व्यक्ति नहर के किनारे खड़ा है यह वही व्यक्ति है।

विद्युत् स्पर्शाघात से युवक की दर्दनाक मौत

अयोध्या। जिले के पूराकलंदर थाना क्षेत्र में खेत की सिंचाई करने गए एक युवक की दर्दनाक मौत विद्युत् स्पर्शाघात के चलते हो गई। नगर कोतवाली पुलिस ने जिला अस्पताल के मेमो पर शव का पोस्टमार्टम कराया है। बताते चलें कि पूराकलंदर थाना क्षेत्र के गांव मिश्रौली निवासी एक परिवार अपने खेत की सिंचाई कर रहा था।इसी दौरान मदद के लिए 34 वर्षीय राजू कुमार पुत्र मस्तराम खेत पर पहुंचा और बिजली के तार में उसका पैर फंस गया तथा वह नीचे गिर पड़ा। करेंट की चपेट में आकर उसकी हालत बिगड़ गई। आनन–फानन में उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया तो डाक्टर ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में मृतक के भाई विवेक कुमार का कहना है कि उन लोगों ने राजू को खेत पर आने से मना किया था। शरीर में बिजली का तार लिपटने के चलते उसको करेंट लग गया और मौत हो गई।

चिनहट पुलिस ने चोरी/एटीएम जालसाजी करने वाले 04 शातिर चोर किए गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना चिनहट पुलिस टीम द्वारा चोरी/एटीएम जालसाजी करने वाले 04 शातिर चोर गिरफ्तार किए गए जिसके कब्जे से चोरी के 57 अदद एटीएम कार्ड,

13,900/—रुपये व घटना में प्रयुक्त 01 अदद चारपहिया वाहन बरामद। थाना चिनहट पुलिस टीम द्वारा चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति वस्तु/वाहन तलाश वांछित/वारण्टी एवं अपराध एवं अपराधियो के रोकथाम के दौरान चोरी व एटीएम जालसाजी करने वाले 04 नफर शातिर अभियुक्त को बाबा हास्पिटल मोड़ देवा रोड के पास थाना चिनहट लखनऊ से समय 13.50 बजे गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी के 57 अदद एटीएम व 13,900/— रू0 बरामद किया गया। अभियुक्तगणो ने पूछताछ में बताया कि पूछने पर बताया कि साहब हम लोग अलग अलग एटीएम पर जाकर जहाँ ज्यादा भीड़भाड़ वाला एटीएम देखते थे। वहीं एटीएम से कुछ दूरी पर गाड़ी खड़ी कर देते थे, फिर हम लोग एटीएम पर जाकर वहाँ खड़े हो जाते थे तथा जो व्यक्ति सीधा सादा दिखता था। उसके एटीएम बदल कर चोरी कर लेता था और उसका पासवर्ड देख लेता था। उसके बाद अपनी गाड़ी से वहाँ से चला जाता था, फिर दूसरे एटीएम से जाकर पैसा निकाल लेते थे। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक संजीव कुमार चौधरी, उप निरीक्षक कपिल कुमार, उप निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार, कांस्टेबल अजय यादव, विनय शुक्ला,अमित कुमार थाना चिनहट लखनऊ शामिल रहे।

थाना जानकीपुरम पुलिस टीम द्वारा 03 शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना जानकीपुरम पुलिस द्वारा मु0अ0सं0—0143/2024 धारा—379/411 IPC थाना जानकीपुरम लखनऊ से संबंधित 03 शातिर वाहन चोर/अभियुक्तों को किया गया गया गिरफ्तार। अपराध का संक्षिप्त विवरण बताते हुए पुलिस ने कहा कि दिनांक 18.05.2024 को थाना स्थानीय पर प्रवीण कुमार निवासी प्लाट 29 जानकीपुरम विस्तार द्वारा सूचना दिया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेरी मोटरसाइकिल UP32 HW1085 यमहा FZ चोरी कर लिया है प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0स0—0143/2024 धारा 379 भादवि0 बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। मैं उ0नि0 सत्यपाल सिंह मय हमराह देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्तिध्वाहन में शुक्ला चौराहे पर मामूर था कि जरिये मुखबिर खास द्वारा मौके पर आकर बताया गया कि साहब आपके मुकदमे से सम्बन्धित वाहन सं0 UP32 HW1085 यमहा FZ गाड़ी जिन लड़को द्वारा चोरी की गयी थी वो तीन लड़के बी0के0टी0 क्षेत्र के रहने वाले है तथा आज वो

तीनो लड़के मोटरसाईकिल सं0—UP32HD6884 के साथ मिर्जापुर पुलिया के पास खड़े है और कही जाने की फिराक में है। इस सूचना पर विश्वास कर मैं उ0नि0 मय हमराहीयान मौके पर जाकर तीनों अभियुक्तों को हिरासत पुलिस में लिया तो तीनों ने बताया कि साहब हम तीनों ने मिलकर दिनाँक 15.05.2024 को तिवारीपुर के पास से मोटर साईकिल सं0 UP32 HW1085 यमहा FZ चोरी किये थे तथा उसी दिन उसे बेचने बाराबंकी ले जा रहे थे जब हम लोग बड्डुपुर थाने के कुछ पहले पहुंचे तो हम लोगो ने देखा कि रोड पर काफी पुलिसवालों द्वारा गाड़ियों की चेकिंग की जा रही थी जिस कारण हम लोग डर गये और थाने से कुछ दूर पहले ही हाइवे से झरसवा नयापुरवा गांव के पास कटी कच्ची रोड पर कुछ दूर चलके झाड़ियों में गाड़ी को छिपा दिया। पुनः मै उ0नि0 मय हराराहियान के अभियुक्तगण द्वारा बताये गये स्थान पर पहुंचा तो वहां पर वाहन सं0 UP32HD6884 मौजूद नही मिला तत्पश्चात आस पास तलाश की गयी परन्तु कोई जानकारी नहीं हो सकी। तत्पश्चात मौके पर मौजूद गोलू पुत्र चन्दालाल निवासी नयापुरवा थाना बड्डुपुर जनपद बाराबंकी से वाहन सं0 UP32HD6884 यमहा एफ जेड के बारे में जानकारी की गयी तो बताया कि साहब दो दिन पहले यहां एक गाड़ी खड़ी थी। जिसे बड्डुपुर की पुलिस ले गयी थी तत्पश्चात मैं उ0नि0 मय पुलिस बल थाना बड्डुपुर पहुंचकर उक्त वाहन के बारे में जानकारी की गयी तो ज्ञात हुआ कि वाहन सं0 UP32HD6884 थाना बड्डुपुर में दिनांक 18.05.2024 को लावारिस में दाखिल है। मुझ उ0नि0 द्वारा थाना प्रभारी बड्डुपुर को एक रिपोर्ट वाहन की सुपुर्दगी में लेने हेतु दी गयी, थाना प्रभारी से अनुमति प्राप्त कर उक्त वाहन सं0 UP32 HD6884 को मुझ उ0नि0 को सुपुर्द किया गया। अभियुक्तगण की निशादेही बरामद मोटरसाइकिल सं0 UP32 HD6884 मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित मोटरसाइकिल है जो अभियुक्तगण के निशादेही पर बरामद की गयी है। बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 411 आईपीसी की बढोत्तरी की जाती है। अभियुक्तगणों को उनके जुर्म धारा 379/411 आईपीसी से अवगत कराते हुए हिरासत पुलिस में लिया गया तथा अभियुक्त को गिरफ्तार पर मा० न्यायालय रवाना किया जा रहा है।

बांस के गोदाम में लगी आग, कबाड़ के गोदाम को भी चपेट में लिया

शामली, संवाददाता। कस्बे के पास डेरी चौक पर रात में बांस के गोदाम में आग लग गई। आग ने बराबर में कबाड़ के गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां रखी रद्दी, प्लास्टिक, गत्ता जलकर राख हो गया। गोदाम में खड़ी पिकअप गाड़ी को किसी तरह बाहर निकालकर बचा लिया। आग इतनी भयंकर थी कि पड़ोस की की दीवार लाल हो गई और घेर में दीवार से लगी पुराल जल गई। शनिवार की रात करीब दो बजे डेरी चौक स्थित हाफिज फुरकान के बांस के गोदाम में अचानक आग लग गई। आग लगने के कुछ देर बाद पड़ोसी शाहनवाज के मकान में लगी लाइट जलकर नीचे गिरने लगी और दीवार में दरार पड़ गई। उन्होंने ऊपर चढ़कर देखा तो बांस के गोदाम में आग लगी हुई है। इसके बाद बांस गोदाम के मालिक को आग की सूचना दी गई। देखते देखते आग ने पड़ोस में सरफराज के कबाड़ के गोदाम को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग से कबाड़ के गोदाम में रखी करीब 25 टन रद्दी, प्लास्टिक जलकर राख हो गई। आग इतनी भयंकर थी कि उसने पड़ोसियों की दीवारों को भी लाल कर दिया। इससे दीवार के गर्म होने से पड़ोसी सलीम के घेर में रखी पुराल जल गई। रात में कबाड़ी ने दमकल विभाग को घटना की सूचना दी। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मचारियों ने कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग इतनी भयंकर थी कि 50 से 60 फीट ऊंची लपटें उठ रही थी। जिससे आसपास के लोगों में दहशत बनी रही। कबाड़ कारोबारी सरफराज ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि आग से गोदाम में रखी 50 क्विंटल प्लास्टिक, 100 क्विंटल रद्दी तथा 60 क्विंटल गत्ता, टायर आदि सामान को जलाकर राख कर दिया।

कानपुर में पारा 46.9 डिग्री, अगले पांच—छह दिन जारी रहेगा गर्मी का सितम

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में पारा 46.9 डिग्री सेल्सियस पर लगातार दूसरे दिन भी बना रहा। तपिश और लू के थपेड़ों से शहरी हलकान रहे। जैसे—जैसे दिन चढ़ा पारा उछाल मारता गया और जब सूरज सिर के ठीक ऊपर आया तो दोपहर को सड़कों पर सन्नाटा होने लगा। राहगीरों और बाइक सवारों की संख्या कम हो गई। लू के गर्म थपेड़ों से लोगों का सिर भन्ना गया। गर्मी लगने से डायरिया, गैस्ट्रोइंटाइटिस और वायरल संक्रमण के रोगी बढ़ गए। सीएसए के मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि पांच—छह दिन गर्मी का सितम बना रहेगा। बादलों की आवाजाही से पारा एक—दो डिग्री नीचे भले ही आ जाए लेकिन उमस अभी और बढ़ेगी। एयरफोर्स स्टेशन क्षेत्र में अधिकतम तापमान लगातार दूसरे दिन 46.9 डिग्री सेल्सियस पर बना रहा। वहीं सीएसए की मौसम वेधशाला में भी अधिकतम तापमान लगातार दूसरे दिन 44.8 डिग्री सेल्सियस पर रहा। आसमान साफ रहने की वजह से रात का तापमान भी बढ़ गया है। मौसम विभाग प्रभारी डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि अधिकतम तापमान सामान्य औसत से 4.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री अधिक है। राजस्थान से होकर आ रहीं गर्म पश्चिमी हवाएं लगातार तपिश में इजाफा कर रही हैं। इससे पारा एक—दो डिग्री और बढ़ सकता है।

इसके अलावा बंगाल की खाड़ी से नमी भी आ रही है। उन्होंने बताया कि इस स्थिति में अगर बादलों के आने से पारा एक—दो डिग्री नीचे भी आ जाएगा तो भी उसम भरी गर्मी तकलीफ देती रहेगी। वेट बल्ब तापमान उमस बढ़ाएगी। इसकी वजह से जितना तापमान होता है, उससे दो—तीन डिग्री अधिक लगती है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि पांच दिन गर्मी के मौसम में बदलाव के आसार नहीं हैं। लोग धूप में बाहर कम निकलें। किसान खेतों में खड़ी फसलों को पानी देते रहें जिससे नमी बनी रहे।

आग से भूसे के 40 कूप जले, 10 घंटों में बुझी आग

शामली, संवाददाता। गांव जिजौला के जंगल में भूसे के 40 कूपों में शनिवार रात अचानक आग लग गई। आग लगने से करीब 50 लाख रुपये कीमत का आठ हजार क्विंटल भूसा जल गया। यह भूसा पांच लोगों ने बिक्री के लिए जमा किया था। भीषण आग लगने की सूचना मिलने पर शामली के अलावा मुजफ्फरनगर व मेरठ से दमकल की छह गाड़ी मौके पर पहुंची। करीब 10 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इसके बाद भी भूसे में अंदर ही अंदर आग सुलगती रही। चौसाना चौकी क्षेत्र के गांव जिजौला में शनिवार की रात करीब 12 बजे खेत में भूसे के कूप में अचानक आग लग गई। आग देखते ही देखते फैलती गई और सभी 40 कूपों को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। यह भूसा जिजौला निवासी शहजाद व हाजी इरशाद और चौसाना निवासी कय्यूम, जुनैद व जावेद ने साझे में बिक्री के लिए गेहूं कटाई के सीजन में इकट्ठा किया था। आठ बीघा भूमि में 40 कूप बनाकर रखा हुआ था। भीषण आग की लपटें उठी, जिसे देखकर लोगों में दहशत बनी रही। आग लगने की सूचना पर शामली दमकल की चार गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन आग पर नियंत्रण न होता देख मेरठ व मुजफ्फरनगर से भी एक—एक गाड़ी दमकल की पहुंची। रात से लेकर रविवार दोपहर तक दस घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका।

दमकल की गाड़ी के साथ आग को बुझाने के लिए फसलों पर छिड़काव करने वाली छह स्प्रे मशीन व पानी के लिए दो नलकूपों की मदद भी ली गई। दमकल की गाड़ी में पानी भी नलकूपों से भरा जाता रहा। रात में ही आग की सूचना पर सीओ कैराना अमरदीप मौर्या, झिंझाना थाना प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह और अन्य पुलिसबल मौजूद रहा।

दोपहर में फिर भड़की आग

बताया गया है कि कूपों में आग दहक रही थी जिस कारण दोपहर बाद हवा चलने से कूपों में फिर आग भड़क गई। पीड़ितों ने दमकल विभाग को जानकारी दी, तो उन्होंने पीड़ितों को अपने स्तर से आग बुझाने के लिए कहा। इसके बाद ग्रामीण स्प्रे मशीन की मदद से आग बुझाने में लगे रहे।

डायल 112 पर पर दी थी सूचना

पीड़ित शहजाद का आरोप है डायल 112 पर आग की सूचना दी थी। इसके बाद डायल 112 की गाड़ी कार मौके पर पहुंची तो उन्होंने उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत कराने के लिए आग्रह किया, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उनकी नहीं सुनी और मौके से चले गए।

चीख पुकार से सहमा जिजौला, महिलाओं का रो—रोकर बुरा हाल

भूसे के 40 कूप पूरी तरह से जल जाने से करीब 50 लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। इस दौरान पीड़ित परिवार की महिलाएं भी मौके पर पहुंची। भूसे को जलता देख महिलाओं का रो—रोकर बुरा था। उनका कहना था कि उनकी तो जिंदगी भर की कमाई चली गई।

पुलिस—प्रशासनिक अधिकारियों ने किया निरीक्षण

जिजौला में भीषण आग लगने की सूचना पर नायब तहसीलदार ऊन व सीओ कैराना अमरदीप मौर्य मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान नायब तहसीलदार ने पीड़ित शहजाद आदि से घटना और नुकसान के बारे में जानकारी ली। चौसाना में भूसे के कूपों में लगी आग की सूचना पर दमकल की छह गाड़ी मौके पर गई थी। करीब दस घंटे में आग पर नियंत्रण पाया जा सका।

ससुराल नहीं जा रही थी बहन, नाराज भाई ने सीने में गोली मारकर दी मौत

बागपत, संवाददाता। बागपत जनपद में पुराने कस्बे के मुगलपुरा मोहल्ले में युवती रीना (22) की भाई सादिक ने रविवार दोपहर को सीने में तमंचे से गोली मारकर हत्या कर दी। आरोपी सादिक दो दिन पहले ही हरियाणा की करनाल जेल से चोरी के मामले में जमानत पर छूटकर आया था। निकाह के बाद ससुराल में विवाद होने से मायके में रहने और चरित्र पर शक होने के कारण उसने बहन की हत्या की घटना को अंजाम दिया। सादिक ने घटना को उस समय अंजाम दिया, जब रीना मोहल्ले में अपनी दूसरी बहन आफसा के घर में बैठी थी। घर के अंदर रीना व आफसा बैठकर आपस में बात कर रही थी तो सादिक भी वहां पहुंच गया। वह उनके साथ बैठकर बात करने लगा। तभी आफसा रसोई में रोटी बनाने गई तो सादिक ने तमंचा निकालकर रीना को गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद सादिक वहां से भाग गया और तमंचा पास ही नाले में फेंककर खुद ही कोतवाली में पहुंच गया। जहां उसने हत्या की घटना के बारे में बताया तो पुलिस उसे तुरंत साथ लेकर घटनास्थल पर पहुंची। जहां से शव को परिजन करीब दो सौ मीटर दूर अपने घर लेकर चले गए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के साथ ही आरोपी सादिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। उसने पुलिस को बताया कि उसकी बहन रीना का निकाह दो साल पहले लोनी के आजाद के साथ हुआ था। ससुराल में विवाद होने के कारण निकाह के एक साल बाद ही वह मायके आकर रहने लगी। जबकि वह उसे ससुराल जाकर रहने की बात कहता था और इसको लेकर झगड़ा भी होता था। पुलिस के अनुसार उसने बताया कि रीना फोन पर बात करती थी।

इरफान मामले में फिर टला फैसला, अब 27 मई को होगी सुनवाई

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के जाजमऊ आगजनी मामले में एमपीएमएलए सेशन कोर्ट का फैसला एक बार फिर टल गया है। कोर्ट ने अब फैसले के लिए 27 मई की तारीख दी है। इरफान को भी जेल से तलब किया गया है। विगत 1 मार्च को सभी पक्षों की बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसले के लिए 14 मार्च की तारीख तय की थी। इसके बाद अलग—अलग कारणों से फैसला टलता रहा। इस बीच कोर्ट ने दोबारा दोनों पक्षों से लिखित बहस दाखिल करने को कहा था। नौ मई को सभी पक्षों की लिखित बहस भी कोर्ट में दाखिल हो गई थी। इसके बाद कोर्ट ने 20 मई की तारीख नियत की थी। डीजीसी दिलीप अवस्थी ने बताया कि सोमवार को कुछ कारणों से फैसला नहीं आ सका। इरफान के अधिवक्ता शिवाकांत दीक्षित ने कोर्ट में इरफान को तलब करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया जिस पर उन्हें 27 मई को तलब करने का आदेश दिया है। 27 मई को इरफान समेत सभी आरोपी कोर्ट पहुंचेंगे और तब कोर्ट फैसला सुनाएगी। जाजमऊ की रहने वाली नजीर फातिमा के घर में 7 नवंबर 2022 को आग लग गई थी जिसमें सपा विधायक इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान सोलंकी समेत कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। पांच आरोपियों इरफान सोलंकी, रिजवान सोलंकी, शौकत अली, मो. शरीफ व इसराइल आटे वाला के मुकदमे में सभी कार्रवाई पूरी हो चुकी है। मुकदमे में अब कोर्ट को फैसला सुनाना है।

अनियंत्रित आटो पेड़ से टकराया, पिता की मौके पर मौत, बेटा गंभीर रूप से घायल

शामली, संवाददाता। शामली के ऊन में थानाभवन मार्ग पर हथछोया गांव में ऑटो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। जिसमें पिता परमजीत की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बेटा मंजीत घायल हो गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी और मृतक व घायल को सीएचसी भिजवाया। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी और शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पानीपत के फतेहपुरी चौक तहसील कैंप निवासी परमजीत (60) अपने बेटे मंजीत (24) के साथ मोटरसाइकिल के स्क्रैप को खरीदने का काम करता था। सोमवार दोपहर को दोनों अपने ऑटो से थानाभवन में स्क्रैप का सामान खरीदने जा रहे थे। इसी बीच हथछोया गांव के पास मंजीत को नींद की झपकी आने से ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। जिसमें परमजीत पेड़ में टेंपो के बीच में फंस गया। बताया गया कि परमजीत की मौके पर ही मौत हो गई जबकि, बेटे मनजीत को भी चोटें आईं। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी और दोनों को सीएचसी में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने परमजीत को मृत घोषित कर दिया।

नसीमुद्दीन ने भाजपा पर बोला हमला, कहा— बीजेपी के मुद्दों की निकली हवा

बांदा, संवाददाता। गृह जनपद मतदान करने पहुंचे पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस के दिग्गज नेता नसीमुद्दीन सिद्दकी ने भाजपा को आड़े हाथ लिया। मतदान करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस बार भाजपा 400 पार नहीं, बल्कि 400 से हार होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के हर मुद्दे की हवा निकल चुकी है। हर जगह इंडिया गठबंधन की लड़ाई खुद जनता लड़ रही है। भाजपा राम मंदिर के नाम पर धोखा देने का काम कर रही है। उसकी यह चाल यहां की गंगा—जमुनी तहजीब को खत्म नहीं कर सकती है। शहर के बजरंग इंटर कॉलेज स्थित मतदान केंद्र से बाहर निकलते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, बिहार, सभी जगह तो भाजपा को इस बार हार का सामना करना पड़ रहा है, फिर यूपी के लिए अलग से क्या कहा जाए। कहा कि राम मंदिर लोगों के लिए कोई मुद्दा ही नहीं है, यहां आज भी हिंदू—मुस्लिम एक—दूसरे को खून देकर जिंदगी देने का काम करते हैं।

खड़े डीसीएम में घुसी कार, हादसे में मां—बेटा व मौसी की मौत हुई

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा हुआ। जिसमें कानपुर की तरफ से फतेहपुर जा रही कार खड़े डीसीएम में जा घुसी। हादसे में मां—बेटा व मौसी की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं पांच साल की बच्ची सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची महाराजपुर पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया। वहीं घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक तौहीद कादरी (50) दिल्ली में बिजनेस करते हैं। रविवार को वह अपने परिवार के साथ कानपुर एक शादी कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। सोमवार सुबह वह अपने गांव फतेहपुर जनपद के खैरही गांव (खागा) जा रहे थे। तभी थाना महाराजपुर क्षेत्र के विराट ढाबा के पास तेज रफ्तार कार खड़ी डीसीएम में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में गाड़ी चला रहा अदनान पुत्र तौहीद कादरी (23), नूर फातिमा पत्नी तौहीद कादरी, रीना पत्नी लकी (26), तौहीद (50) व अमायरा (5) पुत्री लकी गंभीर रूप से घायल हो गए।

राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह सभी लोगों को बाहर निकाल कर उपचार के लिए सरसौल स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने नूर फातिमा (40), अदनान (23) व रीना (26) को मृत घोषित कर दिया। वहीं तौहीद कादरी (50) व पांच साल की मासूम अमराया को गंभीर चोटें आईं। घायलों को चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं हदासे की जानकारी मृतक के परिजनों को दी गई।

संक्षिप्त खबरें

श्रद्धालुओं से भरा वाहन खड़े डंफर से टकराया कई लोग घायल

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। विंध्याचल से बच्चे का मुंडन संस्कार कराकर घर लौट रहे परिवार का वाहन अंबेडकरनगर जिले के भीटी थाना क्षेत्र अंतर्गत खुजरी बाजार के पास चालक के झपकी लगने से सड़क किनारे खड़े डंफर से टकरा गया। जिससे वाहन बैठे श्रद्धालुओं सहित चालक घायल हो गया वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगो व पुलिस के सहयोग से घायलों को तत्काल स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीटी ले जाकर भर्ती कराया गया। हालत गम्भीर देख सभी को इलाज को ट्रामा सेंटर दर्शन नगर एम्बुलेंस से रिफर कर दिया गया। घायल लोग तारुन थाना क्षेत्र के ग्राम नेतवारी चतुरपुर मजरे चतुरीपुर निवासी दलित परिवार बताया गया है। घायलों में चालक आकाश के अलावा संध्या पत्नी रामतीर्थ संगम पत्नी राहुल गीता पत्नी भगवान दीन शकुंतला पत्नी राम तीरथ भगवान दीन पत्नी रामसूरत लालमती पत्नी राकेश पुराना पत्नी छंगू अखिलेश पुत्र दीपक आर्य पुत्र राहुल सहित 10 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं।

राजकीय सम्मान के साथ जवान को दी अंतिम विदाई

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। भारतीय सेना के जवान का शव पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। सेना के जवानों ने राजकीय सम्मान के साथ जवान को अंतिम विदाई दी। इस दौरान स्थानीय लोगों का भी तांता लगा रहा। क्षेत्र हैदरगंज के ग्राम मनऊपुर निवासी आदित्य सिंह (32) वर्ष 2015 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। इसके बाद वह देश के विभिन्न स्थानों पर सेवा देते हुए इस समय झांसी मंडल के 21 कोर जोनल वर्कशॉप में क्राफ्ट मैन के पद पर तैनात थे। वह छुट्टी लेकर घर आ रहे थे। रविवार की सुबह लगभग आठ बजे शहर के नाका बाईपास के पास हाईवे पर बस से उतरते ही उन्हें चक्कर आने लगा तो पुलिया पर बैठ गए। इस बीच बगल स्थित नाले में गिर गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस की मदद से जिला चिकित्सालय पहुंचाया,जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। साथी को अंतिम विदाई देने के लिए डोगरा रेजीमेंट के जवान भी देर—रात मृतक के घर पहुंचे।झांसी से आए सूबेदार अभिषेक सिंह, डोगरा रेजीमेंट के सूबेदार रवि कुमार के नेतृत्व में जवानों ने उन्हें सलामी दी। सोमवार को गांव के बाग में शव का अंतिम संस्कार हुआ। सैनिक के पिता ने मुखाग्नि दी।

भाजपा और सपा समर्थकों में झड़प

फतेहपुर, संवाददाता। लोकसभा फतेहपुर—49 की 238 विधानसभा जहानाबाद के गांव सरायं होली बूथ संख्या 139 में सुबह लगभग साढ़े दस बजे भाजपा समर्थक और सपा समर्थकों के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद की सूचना पर भाजपा प्रत्याशी साध्वी निरंजन ज्योति पहुंची। तब तक उपद्रवियों को पुलिस ने खदेड़ दिया। यादव बाहुल्य होने पर भाजपा ने आरोप लगाया कि अन्य जाति के मतदाताओं को मतदान नहीं करने दिया जा रहा है। इस बीच मतदान केंद्र में अफरातफरी मची रही। घटना की जानकारी होते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ एडीएम पहुंचे। मतदान बिना किसी रुकावट के चलता रहा। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है।

घरेलू विवाद में नवविवाहिता ने फंदा लगाकर दे दी जान

बांदा, संवाददाता। घरेलू विवाद के चलते नवविवाहिता ने फंदा लगाकर जान दे दी। घटना के समय घर में सास थी, उसने फोन करके अपने पति को बुलाया। परिजन उसे फंदे से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के कालका चौराहा निवासी पूजा (24) ने रविवार दोपहर अपने घर के कमरे में दीवार की खूंटी से दुपट्टे से फंदा लगा लिया। सास दुर्गेश नंदनी ने देखा तो अपने पति बुद्धविलास को फोन कर दुकान से बुलाया। दुकान से घर पहुंचे परिजनों ने उसे फंदे से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया।

ईंट के भट्ठे में गिर कर जिंदा जल गया मजदूर

एटा, संवाददाता। एटा के निधौलीकलां थाना क्षेत्र के नगला बारी स्थित आरवी ईंट भट्ठा पर कोयला झोंकते समय पैर फिसल गया, जिससे मजदूर की जलकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम गृह भिजवाया है। कोशाम्बी जिले के गांव अंसारपुर निवासी बृजेश कुमार 45 निधौलीकलां के गांव बरी स्थित आरवी ईट भट्ठा पर मजदूरी का काम करता था। सोमवार की दोपहर मजदूरी के समय भट्ठे में कोयला झोंक रहा था। मजदूर का पैर नाली में फंस गया, जिससे वह निकल नहीं पाया और भट्ठे में गिर गया।

साथ में काम कर रहे मजदूरों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर पहुंचे अन्य लोगों ने दीवार तोड़कर मजदूर को बाहर निकाला, तब तक मजदूर की जलकर मौत हो चुकी थी। सूचना और पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम गृह भिजवा दिया है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार—पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।